पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (WBBSE)

कक्षा 9 हिंदी
प्रथम भाषा

अध्याय 14

प्रश्न बैंक

अध्याय 14: वापसी

बिरला एजुकेशन - मुफ्त नोट्स

birlaeducation.org

अध्याय 14: वापसी

लेखिका: उषा प्रियंवदा (कहानी)

कहानी: पाठ को ऐसे याद रखो

गजाधर बाबू पैंतीस वर्षों तक रेलवे में स्टेशन मास्टर की नौकरी करके रिटायर हो रहे थे। उनके नौकर गणेशी ने सारा सामान बाँध दिया और उनकी पत्नी ने बेसन के लड्डू रख दिए, क्योंकि बाबू जी को वे पसंद थे। गजाधर बाबू बहुत खुश थे। उन्होंने शहर में एक बड़ा मकान बनवाया था और बड़े लड़के अमर की शादी कर चुके थे। नरेंद्र और बसंती ऊँची कक्षाओं में पढ़ रहे थे। नौकरी के कारण वे अधिकतर छोटे स्टेशनों पर अकेले रहे थे, और अब वे परिवार के साथ सुख से रहने की कल्पना कर रहे थे।

इतवार के दिन वे घर पहुँचे। सब बच्चे इकट्ठे होकर नाश्ता कर रहे थे और हँस रहे थे। पिता को देखते ही नरेंद्र चुपचाप बैठ गया, बहू ने झट से माथा ढक लिया और बसंती ने अपनी हँसी दबाने की कोशिश की। घर छोटा था, इसलिए गजाधर बाबू की चारपाई बैठक में लगा दी गई। वे घर का खर्च कम करने की सलाह देते थे, पर पत्नी को उनकी बात अच्छी नहीं लगती थी। बहू ने चौका खुला छोड़ दिया, जिससे बिल्ली ने दाल गिरा दी। बसंती ने ऐसा बेस्वाद खाना बनाया जिसे कोई खा न सका। नरेंद्र ने खाना नहीं खाया और अपनी खीज गजाधर बाबू पर उतारने लगा।

गजाधर बाबू को धीरे धीरे लगने लगा कि परिवार में उनकी कोई उपयोगिता नहीं है। अमर अब अलग होने का सोच रहा था, क्योंकि उसके दोस्तों की महफिल नहीं जम पाती थी। एक दिन उनकी चारपाई बैठक से हटाकर छोटी कोठरी में रख दी गई। उन्होंने घर के नौकर को काम से हटा दिया, तो नरेंद्र आग बबूला हो गया। अंत में उन्होंने रामजी मिल वालों की चीनी की मिल में नौकरी का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, जिसे उन्होंने पहले परिवार के साथ रहने की कल्पना के कारण ठुकरा दिया था। पत्नी ने उनके साथ चलने से मना कर दिया। गजाधर बाबू रिक्शे पर बैठकर चले गए और परिवार के सब लोग प्रसन्न हुए।

pibideducation.org

पाठ का सार

1. रिटायर होकर घर लौटने की खुशी

गजाधर बाबू खुश थे, बहुत खुश। पैंतीस साल की नौकरी के बाद वह रिटायर होकर जा रहे थे।

सार: गजाधर बाबू रेलवे में स्टेशन मास्टर थे। उन्होंने पैंतीस वर्षों तक नौकरी की, अधिकतर समय छोटे स्टेशनों पर अकेले रहकर काटा। उनके बच्चे और पत्नी शहर में रहते थे, ताकि बच्चों की पढ़ाई में बाधा न हो। उन्होंने शहर में एक बड़ा मकान बनवाया था और बड़े लड़के अमर की शादी कर चुके थे। अब वे परिवार के साथ सुख से रहने की कल्पना करके बहुत खुश थे। गणेशी ने उनका सामान बाँध दिया और पत्नी ने बेसन के लड्डू रख दिए।

2. घर पहुँचते ही उपेक्षा

पिता को देखते ही नरेंद्र चुपचाप बैठ गया, बहू ने झट से माथा ढक लिया और बसंती ने अपनी हँसी को दबाने की चेष्टा की।

सार: इतवार के दिन गजाधर बाबू घर पहुँचे। सब बच्चे इकट्ठे होकर नाश्ता कर रहे थे। पिता को देखते ही सबकी हँसी रुक गई। नरेंद्र चुप हो गया, बहू ने माथा ढक लिया और बसंती ने हँसी दबा ली। गजाधर बाबू ने नरेंद्र से पूछा कि क्या हो रहा था, पर नरेंद्र ऐसा चुप हो गया जैसे बाबू का आना उसे अच्छा न लगा हो। घर छोटा था, इसलिए उनकी चारपाई बैठक में लगा दी गई।

3. रोज की छोटी छोटी उपेक्षाएँ

उन्हें अब यह महसूस होने लगा कि जैसे परिवार की सभी परेशानियों के वे ही जिम्मेदार हैं।

सार: गजाधर बाबू घर का खर्च कम करने की सलाह देते थे, पर पत्नी को उनकी बात अच्छी नहीं लगती थी और उन्हें सहानुभूति नहीं मिलती थी। बहू ने चौका खुला छोड़ दिया, जिससे बिल्ली ने दाल गिरा दी। बसंती ने ऐसा बेस्वाद खाना बनाया कि एक कौर भी नहीं निगला जा सकता था। नरेंद्र ने खाना नहीं खाया और अपनी खीज गजाधर बाबू पर उतारने लगा। शीला के घर न जाने की मनाही पर बसंती उनसे रुष्ट हो गई और उनके सामने जाने से कतराने लगी।

4. चारपाई का हटना और मन का टूटना

अब गजाधर बाबू को ऐसा एहसास होने लगा जैसे कि परिवार में उनकी कोई उपयोगिता नहीं है।

सार: अमर अब अलग होने का सोच रहा था, क्योंकि उसके दोस्तों की महफिल नहीं जम पाती थी। एक दिन जब गजाधर बाबू घूमकर आए तो देखा कि बैठक से उनकी चारपाई उठाकर छोटी कोठरी में रख दी गई है। पत्नी की कोठरी में अपनी चारपाई देखकर उन्हें अपना बड़ा सा खुला हुआ क्वार्टर याद आ गया। उन्होंने निश्चय कर लिया कि अब वे घर के किसी काम में दखल नहीं देंगे। उन्होंने घर के नौकर को काम से हटा दिया, तो नरेंद्र आग बबूला हो गया।

5. चीनी मिल की नौकरी और वापसी की वापसी

गजाधर बाबू पारिवारिक सुख से वंचित और निराश होकर रिक्शे पर बैठ गए।

सार: अवकाश प्राप्ति के बाद रामजी मिल वालों ने गजाधर बाबू को अपनी चीनी की मिल में नौकरी का प्रस्ताव दिया था, पर उन्होंने परिवार के साथ रहने की कल्पना के कारण स्वीकार नहीं किया था। अब उन्होंने उसके लिए रजामंदी भेज दी। उन्होंने पत्नी से कहा कि क्या वह भी उनके साथ चलेगी, पर पत्नी ने इनकार कर दिया। गजाधर बाबू निराश होकर रिक्शे पर बैठ गए। उनका बिस्तर और असबाब लाद दिया गया। परिवार के सभी लोग प्रसन्न हुए और गजाधर बाबू की चारपाई घर से बाहर निकाल दी गई।

लेखिका परिचय

birlaeducation.org

उषा प्रियंवदा का जन्म सन् 1930 में कानपुर में हुआ था। वे हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार हैं। उनकी प्रमुख रचनाएँ पचपन खंभे लाल दीवारें और रुकोगी नहीं राधिका हैं। उनकी प्रसिद्ध कहानी वापसी सन् 1960 में प्रकाशित हुई थी।

कठिन शब्द और उनके अर्थ

शब्द	अर्थ
वापसी	लौटकर आना, घर लौटना
सेवानिवृत्त	नौकरी से रिटायर हुआ
क्वार्टर	सरकारी नौकरी में मिलने वाला मकान
बैठक	घर का वह कमरा जहाँ मेहमान बैठते हैं
चौका	रसोई, खाना बनाने की जगह
खाट	चारपाई
असबाब	सामान, घर का सामान
रजामंदी	सहमति, स्वीकृति
उपेक्षा	अनदेखी करना, महत्व न देना
बेसन	चने के आटे से बना, लड्डू बनाने में प्रयुक्त

रिक्शा	सवारी गाड़ी, हाथ या साइकिल से चलने वाली
महफिल	दोस्तों की बैठक, गोष्ठी

1. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ)

1. 'वापसी' कहानी की लेखिका कौन हैं?

(क) मन्नू भंडारी

(ख) उषा प्रियंवदा

(ग) महादेवी वर्मा

(घ) मृदुला गर्ग

उत्तर: (ख) उषा प्रियंवदा

---

2. गजाधर बाबू ने कितने वर्षों तक रेलवे की नौकरी की?

(क) तीस वर्ष

(ख) पैंतीस वर्ष

(ग) चालीस वर्ष

(घ) पच्चीस वर्ष

उत्तर: (ख) पैंतीस वर्ष

birlaeducation.org

---

3. गजाधर बाबू रेलवे में क्या थे?

(क) ड्राइवर

(ख) स्टेशन मास्टर

(ग) टिकट बाबू

(घ) गार्ड

उत्तर: (ख) स्टेशन मास्टर

---

4. गजाधर बाबू के नौकर का नाम क्या था?

(क) रामू

(ख) गणेशी

(ग) मोहन

(घ) श्याम

उत्तर: (ख) गणेशी

---

5. गणेशी ने गजाधर बाबू के लिए क्या रख दिया था?

(क) पैसे

(ख) बेसन के लड्डू

(ग) कपड़े

(घ) किताबें

उत्तर: (ख) बेसन के लड्डू

---

6. गजाधर बाबू किस दिन घर पहुँचे?

(क) सोमवार

(ख) इतवार

(ग) शनिवार

(घ) शुक्रवार

उत्तर: (ख) इतवार

---

7. गजाधर बाबू की बेटी का नाम क्या था?

(क) शीला

(ख) बसंती

(ग) क्रांति

(घ) राधा

उत्तर: (ख) बसंती

---

birlaeducation.org

8. गजाधर बाबू की चारपाई पहले कहाँ लगाई गई थी?

(क) कोठरी में

(ख) बैठक में

(ग) रसोई में

(घ) आँगन में

उत्तर: (ख) बैठक में

---

9. चौका खुला छोड़ने से क्या हुआ?

(क) चूहा आ गया

(ख) बिल्ली ने दाल गिरा दी

(ग) आग लग गई

(घ) पानी गिर गया

उत्तर: (ख) बिल्ली ने दाल गिरा दी

---

10. गजाधर बाबू ने अंत में किसकी नौकरी स्वीकार कर ली?

(क) रेलवे की

(ख) रामजी मिल की चीनी की मिल की

(ग) स्कूल की

(घ) बैंक की

उत्तर: (ख) रामजी मिल की चीनी की मिल की

---

11. गजाधर बाबू के बड़े लड़के का नाम क्या था?

(क) नरेंद्र

(ख) अमर

(ग) गणेशी

(घ) रामजी

उत्तर: (ख) अमर

---

12. 'पचपन खंभे लाल दीवारें' किसकी रचना है?

(क) मन्नू भंडारी की

(ख) उषा प्रियंवदा की

(ग) कृष्णा सोबती की

(घ) मृदुला गर्ग की

उत्तर: (ख) उषा प्रियंवदा की

---

2. रिक्त स्थान भरो

bhuedaucation.org

1. गजाधर बाबू ने _____ वर्षों तक रेलवे की नौकरी की।

उत्तर: पैंतीस

---

2. गजाधर बाबू रेलवे में _____ थे।

उत्तर: स्टेशन मास्टर

---

3. गजाधर बाबू के नौकर का नाम _____ था।

उत्तर: गणेशी

---

4. गणेशी ने गजाधर बाबू के लिए _____ के लड्डू रख दिए थे।

उत्तर: बेसन

---

5. गजाधर बाबू _____ के दिन घर पहुँचे।

उत्तर: इतवार

---

6. गजाधर बाबू की बेटी का नाम _____ था।

उत्तर: बसंती

---

7. गजाधर बाबू की चारपाई पहले _____ में लगाई गई थी।

उत्तर: बैठक

---

8. बहू ने चौका खुला छोड़ दिया, जिससे _____ ने दाल गिरा दी।

उत्तर: बिल्ली

---

9. रामजी मिल वालों ने गजाधर बाबू को अपनी _____ की मिल में नौकरी का प्रस्ताव दिया था।

उत्तर: चीनी

---

10. 'वापसी' कहानी की लेखिका _____ हैं।

उत्तर: उषा प्रियंवदा

---

3. सही / गलत

1. गजाधर बाबू ने तीस वर्षों तक रेलवे की नौकरी की थी।

उत्तर: गलत। सही बात यह है: गजाधर बाबू ने पैंतीस वर्षों तक रेलवे की नौकरी की थी।

---

2. गजाधर बाबू रेलवे में स्टेशन मास्टर थे।

उत्तर: सही।

birlaeducation.org

---

3. गजाधर बाबू के घर पहुँचने पर परिवार ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

उत्तर: गलत। सही बात यह है: पिता को देखते ही नरेंद्र चुप हो गया, बहू ने माथा ढक लिया और बसंती ने हँसी दबा ली।

---

4. गजाधर बाबू की चारपाई पहले बैठक में लगाई गई थी।

उत्तर: सही।

---

5. बसंती ने बहुत स्वादिष्ट खाना बनाया था।

उत्तर: गलत। सही बात यह है: बसंती ने ऐसा बेस्वाद खाना बनाया कि एक कौर भी नहीं निगला जा सकता था।

---

6. गजाधर बाबू की पत्नी ने उनके साथ चीनी की मिल जाने से मना कर दिया था।

उत्तर: सही।

---

7. अमर अलग होने का सोच रहा था।

उत्तर: सही।

---

8. गजाधर बाबू के जाने पर परिवार के लोग दुखी हुए थे।

उत्तर: गलत। सही बात यह है: गजाधर बाबू के जाने पर परिवार के सभी लोग प्रसन्न हुए।

---

9. 'वापसी' कहानी में संयुक्त परिवार के विघटन की गाथा है।

उत्तर: सही।

---

10. उषा प्रियंवदा का जन्म सन् 1930 में कानपुर में हुआ था।

उत्तर: सही।

---

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (SAQ)

1. गजाधर बाबू कौन थे? पाठ्यपुस्तक

गजाधर बाबू रेलवे में स्टेशन मास्टर थे। उन्होंने पैंतीस वर्षों तक नौकरी की और फिर रिटायर होकर अपने परिवार के साथ रहने के लिए घर लौटे।

---

2. गजाधर बाबू का पारिवारिक जीवन कैसा था? पाठ्यपुस्तक

सांसारिक दृष्टि से गजाधर बाबू सफल थे। उन्होंने शहर में एक बड़ा मकान बनवाया था। बड़े लड़के अमर की शादी कर चुके थे और दो बच्चे ऊँची कक्षाओं में पढ़ रहे थे।

birlaeducation.org

---

3. गजाधर बाबू नौकरी के समय अकेले क्यों रहते थे? पाठ्यपुस्तक

गजाधर बाबू नौकरी के कारण प्रायः छोटे स्टेशनों पर रहे और उनके बच्चे तथा पत्नी शहर में रहते थे, ताकि बच्चों की पढ़ाई में बाधा न हो। इसलिए उन्हें अधिकतर समय अकेले रहना पड़ता था।

---

4. गजाधर बाबू घर लौटते समय क्यों खुश थे? पाठ्यपुस्तक

गजाधर बाबू बहुत खुश थे, क्योंकि पैंतीस साल की नौकरी के बाद वे रिटायर होकर जा रहे थे। अकेले क्षणों में उन्होंने इसी समय की कल्पना की थी कि वे अपने परिवार के साथ रह सकेंगे।

---

5. घर पहुँचने पर गजाधर बाबू को बच्चों का व्यवहार कैसा लगा? पाठ्यपुस्तक

घर पहुँचने पर पिता को देखते ही नरेंद्र चुपचाप बैठ गया, बहू ने झट से माथा ढक लिया और बसंती ने अपनी हँसी दबाने की कोशिश की। बच्चों के इस व्यवहार से गजाधर बाबू दुखी हुए।

---

6. गजाधर बाबू की चारपाई कहाँ लगाई गई थी और बाद में क्या हुआ? पाठ्यपुस्तक

घर छोटा था, इसलिए गजाधर बाबू की चारपाई बैठक में लगा दी गई। बाद में एक दिन उनकी चारपाई बैठक से हटाकर छोटी कोठरी में रख दी गई।

---

7. गजाधर बाबू को अपने रेलवे क्वार्टर की याद कब सताने लगी? पाठ्यपुस्तक

एक दिन सुबह गजाधर बाबू ने देखा कि उनकी चारपाई बैठक से हटाकर छोटी कोठरी में रख दी गई है, जहाँ उन्हें कोट टाँगने की भी जगह नहीं थी। ऐसे समय में उन्हें अपना रेलवे क्वार्टर याद आया।

---

8. गजाधर बाबू के कहने पर बसंती ने कैसा खाना बनाया? पाठ्यपुस्तक

पिता के कहने पर बसंती ने रात का भोजन तो बनाया, पर वह इतना बेस्वाद था कि एक कौर भी नहीं निगला जा सकता था। गजाधर बाबू किसी तरह खाना खाकर उठ गए, पर नरेंद्र थाली सरकाकर उठ खड़ा हुआ और गजाधर बाबू को कोसने लगा।

---

9. रिटायर होने के बाद गजाधर बाबू को अपने घर का वातावरण कैसा लगा? पाठ्यपुस्तक

रिटायर होने के बाद कुछ दिन बीतते ही उन्हें अपना घर बोझ सा प्रतीत हुआ। उन्हें लगा कि वे सिर्फ धन कमाने के निमित्त मात्र हैं और परिवार में उनकी कोई उपयोगिता नहीं है।

---

10. पत्नी की कोठरी में अपनी चारपाई देखकर गजाधर बाबू को क्या महसूस हुआ? पाठ्यपुस्तक

पत्नी की कोठरी में अपनी चारपाई देखकर गजाधर बाबू अतीत में खो गए। उन्हें अपना बड़ा सा खुला हुआ क्वार्टर याद आ गया। वहाँ का निश्चित जीवन, पैसेंजर ट्रेनों के आने पर स्टेशन की चहल पहल और इंजनों की आवाज सब याद आ गई। उन्हें लगा कि जिंदगी ने उन्हें ठग लिया है।

---

11. बसंती गजाधर बाबू से क्यों रुष्ट हो गई? पाठ्यपुस्तक

शीला के घर न जाने की मनाही पर बसंती गजाधर बाबू से रुष्ट हो गई और अब उनके सामने जाने से कतराने लगी। पुत्री के इस व्यवहार से उनकी आत्मा दुखी हो उठी।

birlaeducation.org

---

12. अमर अलग होने का क्यों सोच रहा था? पाठ्यपुस्तक

अमर अब अलग होने का सोच रहा था, क्योंकि गजाधर बाबू के आने के बाद उसके दोस्तों की महफिल नहीं जम पाती थी। पिता की उपस्थिति उसे अपने दोस्तों के साथ बैठने में बाधा लगती थी।

---

13. गजाधर बाबू ने घर के नौकर को क्यों हटा दिया? इससे क्या हुआ? पाठ्यपुस्तक

गजाधर बाबू ने एक दिन अपने घरेलू नौकर को काम से हटा दिया। इसे सुनकर नरेंद्र आग बबूला हो गया। यह सब देखकर गजाधर बाबू का मन विचलित हो उठा और उन्होंने मन ही मन तय किया कि अब उन्हें यहाँ नहीं रहना है।

---

14. परिवार वालों की उपेक्षा के बाद गजाधर बाबू के स्वभाव में क्या परिवर्तन हुआ? पाठ्यपुस्तक

गजाधर बाबू ने निश्चय कर लिया कि अब वे घर के किसी काम में दखल नहीं देंगे। नरेंद्र रुपये माँगने आया तो बिना कारण पूछे ही उसे रुपये दे दिए। बसंती काफी अँधेरा हो जाने के बाद भी पड़ोस में रही तो भी उन्होंने कोई आपत्ति नहीं की।

---

15. रामजी मिल वालों ने गजाधर बाबू को क्या प्रस्ताव दिया था? पाठ्यपुस्तक

अवकाश प्राप्ति के बाद रामजी मिल वालों ने गजाधर बाबू को अपनी चीनी की मिल में नौकरी का प्रस्ताव दिया था। पहले उन्होंने परिवार के साथ रहने की कल्पना के कारण स्वीकार नहीं किया था, पर अब उन्होंने उसके लिए रजामंदी भेज दी।

---

16. गजाधर बाबू की पत्नी उनके साथ क्यों नहीं गई? अतिरिक्त

गजाधर बाबू ने पत्नी से कहा कि क्या वह भी उनके साथ चलेगी, पर पत्नी ने इनकार कर दिया। पत्नी बच्चों के साथ शहर में रहना चाहती थी और गजाधर बाबू के साथ जाने को तैयार नहीं हुई।

---

17. गजाधर बाबू के जाने पर परिवार की क्या प्रतिक्रिया थी? पाठ्यपुस्तक

गजाधर बाबू पारिवारिक सुख से वंचित और निराश होकर रिक्शे पर बैठ गए। उनका बिस्तर और असबाब लाद दिया गया। परिवार के सभी लोग प्रसन्न हुए और गजाधर बाबू की चारपाई घर से बाहर निकाल दी गई।

---

18. 'वापसी' कहानी का शीर्षक क्यों उपयुक्त है? अतिरिक्त

'वापसी' का अर्थ है लौटकर आना। गजाधर बाबू पैंतीस साल की नौकरी के बाद परिवार के साथ रहने के लिए घर लौटते हैं, पर उन्हें वहाँ सुख नहीं मिलता। अंत में वे फिर नौकरी के लिए घर से बाहर चले जाते हैं। इस तरह कहानी में दो वापसी हैं, इसलिए शीर्षक उपयुक्त है।

---

19. उषा प्रियंवदा की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए। अतिरिक्त

उषा प्रियंवदा की दो प्रसिद्ध रचनाएँ पचपन खंभे लाल दीवारें और रुकोगी नहीं राधिका हैं। उनकी प्रसिद्ध कहानी वापसी सन् 1960 में प्रकाशित हुई थी।

---

20. 'वापसी' कहानी से क्या संदेश मिलता है? पाठ्यपुस्तक

pibaeducation.org

इस कहानी से यह संदेश मिलता है कि आज के परिवारों में स्वार्थ और आत्म केंद्रितता बढ़ गई है। बड़े और बूढ़े लोगों के प्रति उपेक्षा की भावना बढ़ रही है। जो व्यक्ति जीवन भर परिवार के लिए धन कमाता है, रिटायर होने के बाद परिवार में उसकी कोई उपयोगिता नहीं समझी जाती। कहानी हमें बड़ों का सम्मान करने का संदेश देती है।

---

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LAQ)

1. 'वापसी' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखें। पाठ्यपुस्तक

गजाधर बाबू पैंतीस वर्षों तक रेलवे में स्टेशन मास्टर की नौकरी करके रिटायर हो रहे थे। उनके नौकर गणेशी ने सारा सामान बाँध दिया और पत्नी ने बेसन के लड्डू रख दिए। वे बहुत खुश थे, क्योंकि अब वे परिवार के साथ सुख से रह सकेंगे। उन्होंने शहर में एक बड़ा मकान बनवाया था और बड़े लड़के अमर की शादी कर चुके थे। इतवार के दिन वे घर पहुँचे, पर पिता को देखते ही नरेंद्र चुप हो गया, बहू ने माथा ढक लिया और बसंती ने हँसी दबा ली। घर छोटा था, इसलिए उनकी चारपाई बैठक में लगा दी गई। बहू ने चौका खुला छोड़ दिया, जिससे बिल्ली ने दाल गिरा दी। बसंती ने बेस्वाद खाना बनाया और नरेंद्र ने अपनी खीज गजाधर बाबू पर उतारी। अमर अलग होने का सोचने लगा। एक दिन उनकी चारपाई बैठक से हटाकर छोटी कोठरी में रख दी गई। उन्होंने घर के नौकर को हटा दिया, तो नरेंद्र आग बबूला हो गया। अंत में उन्होंने रामजी मिल की चीनी की मिल में नौकरी स्वीकार कर ली। पत्नी ने साथ चलने से मना कर दिया। गजाधर बाबू रिक्शे पर बैठकर चले गए और परिवार के सब लोग प्रसन्न हुए।

---

2. गजाधर बाबू के चरित्र का वर्णन करें। पाठ्यपुस्तक

गजाधर बाबू स्वभाव से बहुत स्नेही व्यक्ति थे और स्नेह के आकांक्षी भी। उन्होंने पैंतीस वर्षों तक रेलवे में स्टेशन मास्टर की नौकरी की और अधिकतर समय छोटे स्टेशनों पर अकेले रहकर काटा। वे अपने परिवार से बहुत प्यार करते थे और रिटायर होकर उनके साथ सुख से रहने की कल्पना करते थे। वे अपने आस पास के लोगों से मधुर व्यवहार करते थे। गणेशी जैसे नौकर के प्रति भी उनका स्नेह था। पर परिवार की उपेक्षा से वे टूट गए। उन्होंने घर के किसी काम में दखल न देने का निश्चय किया और अंत में निराश होकर चीनी की मिल की नौकरी के लिए घर छोड़ दिया। उनका चरित्र आधुनिक परिवारों में उपेक्षित बूढ़े व्यक्ति का प्रतीक है।

---

3. 'वापसी' कहानी में संयुक्त परिवार के विघटन का चित्रण कैसे हुआ है? पाठ्यपुस्तक

'वापसी' कहानी संयुक्त परिवार के विघटन की गाथा कहती है। गजाधर बाबू पैंतीस साल की नौकरी के बाद परिवार के साथ रहने के लिए घर लौटते हैं, पर वहाँ उन्हें उपेक्षित व्यवहार मिलता है। पिता के आते ही बच्चों की हँसी रुक जाती है। बहू और बेटी काम से जी चुराती हैं। अमर अलग होने का सोचता है, क्योंकि उसके दोस्तों की महफिल नहीं जम पाती। पत्नी भी गजाधर बाबू से खुश नहीं रहती और उनके साथ जाने से मना कर देती है। कहानी में दो पीढ़ियों के बीच का अंतर और उनकी सोच का अंतर बारीकी से दिखाया गया है। अंत में गजाधर बाबू के जाने पर परिवार के लोग प्रसन्न होते हैं, जो संयुक्त परिवार के टूटने का सबसे दुखद चित्र है।

---

4. गजाधर बाबू को अपने रेलवे क्वार्टर की याद कब और क्यों सताने लगी? पाठ्यपुस्तक

एक दिन सुबह गजाधर बाबू ने देखा कि उनकी चारपाई बैठक से हटाकर छोटी कोठरी में रख दी गई है, जहाँ उन्हें कोट टाँगने की भी जगह नहीं थी। ऐसे समय में उन्हें अपना रेलवे क्वार्टर याद आया। पत्नी की कोठरी में अपनी चारपाई देखकर वे अतीत में खो गए। उन्हें अपना बड़ा सा खुला हुआ क्वार्टर याद आ गया। वहाँ का निश्चित जीवन, पैसेंजर ट्रेनों के आने पर स्टेशन की चहल पहल और इंजनों की आवाज सब याद आ गई। वह जीवन उन्हें अब खोई हुई निधि सा प्रतीत हुआ। उन्हें लगा कि जिंदगी ने उन्हें ठग लिया है। उन्होंने जो कुछ चाहा, उसमें से उन्हें एक बूँद भी न मिली।

---

5. गजाधर बाबू के हिदायत के बाद बसंती ने कैसा खाना बनाया? इससे क्या पता चलता है? पाठ्यपुस्तक

पिता के कहने पर बसंती ने रात का भोजन तो बनाया, पर वह इतना बेस्वाद था कि एक कौर भी नहीं निगला जा सकता था। गजाधर बाबू तो किसी तरह खाना खाकर उठ गए, पर नरेंद्र थाली सरकाकर उठ खड़ा हुआ और गजाधर बाबू को कोसने लगा कि वे बैठे बैठे कोई न कोई फितूर करते रहते हैं। इससे पता चलता है कि घर के लोग गजाधर बाबू की बातों को बोझ समझते थे और उनकी उपस्थिति से परेशान थे। बसंती का बेस्वाद खाना बनाना भी परिवार की उपेक्षा का ही एक रूप था।

---

6. रिटायर होने के बाद गजाधर बाबू को अपने घर का वातावरण कैसा लगा? पाठ्यपुस्तक

रिटायर होने के बाद कुछ दिन बीतते ही उन्हें अपना घर बोझ सा प्रतीत हुआ। उन्हें लगा कि वे सिर्फ धन कमाने के निमित्त मात्र हैं। जिस व्यक्ति के अस्तित्व से पत्नी माँग में सिंदूर डालने की अधिकारी है और समाज में उसकी प्रतिष्ठा है, उसके सामने वह दो वक्त भोजन की थाली रख देने से क्या सारे कर्तव्यों से छुट्टी पा जाती है। उन्हें लगने लगा कि परिवार की सभी परेशानियों के वे ही जिम्मेदार हैं। उन्हें अब परिवार के हित में किसी काम के लिए उत्साह नहीं रहा।

---

7. परिवार वालों की उपेक्षा के बाद गजाधर बाबू के स्वभाव में क्या परिवर्तन हुआ? पाठ्यपुस्तक

परिवार वालों की उपेक्षा के बाद गजाधर बाबू ने निश्चय कर लिया कि अब वे घर के किसी काम में दखल नहीं देंगे। नरेंद्र रुपये माँगने आया तो बिना कारण पूछे ही उसे रुपये दे दिए। बसंती काफी अँधेरा हो जाने के बाद भी पड़ोस में रही तो भी उन्होंने कोई

birlaeducation.org

आपत्ति नहीं की। वे चुपचाप रहने लगे, किन्तु किसी ने उनकी चुप्पी का कारण नहीं पूछा। उन्हें अब अपनी पत्नी के व्यवहार में स्वार्थपरता की बू आने लगी। उनका मन विचलित हो उठा और उन्होंने तय किया कि अब उन्हें यहाँ नहीं रहना है।

---

8. 'वापसी' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट करें। पाठ्यपुस्तक

कहानी की मूल संवेदना एक ऐसे व्यक्ति की विडंबना को दर्शाती है जो अपने रिटायरमेंट के बाद बाकी जीवन अपने परिवार के साथ बिताने के लिए वापस आता है, लेकिन वहाँ उसे उपेक्षित व्यवहार मिलता है। आज की दुनिया में सारे नाते रिश्ते स्वार्थ के हैं। इस संसार में कोई किसी का पिता या पति नहीं है, जो कुछ है वह पैसा कमाने की मशीन है। जिस दिन यह मशीन बंद हो जाएगी, उस दिन लोग चाहना बंद कर देंगे। गजाधर बाबू की कहानी इसी कटु सच्चाई को दिखाती है।

---

9. गजाधर बाबू ने चीनी की मिल की नौकरी क्यों स्वीकार कर ली? पाठ्यपुस्तक

अवकाश प्राप्ति के बाद रामजी मिल वालों ने गजाधर बाबू को अपनी चीनी की मिल में नौकरी का प्रस्ताव दिया था, पर उन्होंने परिवार के साथ रहने की कल्पना के कारण स्वीकार नहीं किया था। घर आकर उन्हें हर कदम पर उपेक्षा मिली। उनकी चारपाई बैठक से हटाकर छोटी कोठरी में रख दी गई, नौकर हटाने पर नरेंद्र आग बबूला हो गया और पत्नी ने भी उनका साथ नहीं दिया। उन्हें लगने लगा कि परिवार में उनकी कोई उपयोगिता नहीं है। तब उन्होंने मिल की नौकरी के लिए रजामंदी भेज दी। पत्नी ने साथ चलने से मना कर दिया और वे निराश होकर रिक्शे पर बैठकर चले गए।

---

10. 'वापसी' कहानी में पीढ़ी अंतर का चित्रण कैसे हुआ है? अतिरिक्त

कहानी में दो पीढ़ियों के बीच के अंतर को बड़ी सूक्ष्मता से दिखाया गया है। गजाधर बाबू पुरानी पीढ़ी के स्नेही और परिवार को महत्व देने वाले व्यक्ति हैं। उनके बच्चे नई पीढ़ी के हैं, जो अपने सुख और स्वतंत्रता को महत्व देते हैं। नरेंद्र पिता की बातों को फितूर समझता है, बसंती अपनी मर्जी से पड़ोस में जाती है और अमर अपने दोस्तों की महफिल के लिए अलग होना चाहता है। पत्नी भी गजाधर बाबू की भावनाओं को नहीं समझती। यही पीढ़ी अंतर कहानी का केंद्र है।

birlaeducation.org

---

11. गजाधर बाबू के घर पहुँचने के पहले दिन का वर्णन करें। पाठ्यपुस्तक

गजाधर बाबू इतवार के दिन घर पहुँचे। सब बच्चे इकट्ठे होकर घर में नाश्ता कर रहे थे और हँस रहे थे। बच्चों की हँसी सुनकर वे प्रसन्न हुए और बिना खाँसे अंदर चले गए। पिता को देखते ही नरेंद्र चुपचाप बैठ गया, बहू ने झट से माथा ढक लिया और बसंती ने अपनी हँसी दबाने की कोशिश की। उन्होंने नरेंद्र से पूछा कि क्या हो रहा था, पर नरेंद्र ऐसा चुप हो गया जैसे गजाधर बाबू का वहाँ आना अच्छा न लगा हो। बच्चों के इस व्यवहार से वे दुखी हुए। उन्होंने बसंती से अपने लिए चाय पीने के लिए बाहर ही माँगा।

---

12. गजाधर बाबू की पत्नी के व्यवहार पर प्रकाश डालिए। पाठ्यपुस्तक

गजाधर बाबू की पत्नी सीधी सादी थी। जब गजाधर बाबू घर आते थे तो वह बड़ा स्वागत करती थी। पर रिटायर होकर घर लौटने के बाद उसका व्यवहार बदल गया। गजाधर बाबू घर का खर्च कम करने की सलाह देते थे, पर पत्नी को उनकी बात अच्छी नहीं लगती थी और उन्हें सहानुभूति नहीं मिलती थी। अंत में जब गजाधर बाबू ने पूछा कि क्या वह उनके साथ चीनी की मिल जाएगी, तो पत्नी ने इनकार कर दिया। उसके व्यवहार में गजाधर बाबू को स्वार्थपरता की बू आने लगी।

---

13. गणेशी के चरित्र पर प्रकाश डालिए। अतिरिक्त

गणेशी गजाधर बाबू का नौकर था। वह गजाधर बाबू का बड़ा ख्याल रखता था। रिटायर होकर घर जाते समय उसने सारा सामान बाँध दिया और बेसन के लड्डू रख दिए, क्योंकि बाबू जी को वे पसंद थे। गणेशी के स्नेह और आदर के सामने परिवार की उपेक्षा और भी तीखी लगती है। गणेशी का चरित्र दिखाता है कि पराए लोग भी कभी कभी अपनों से अधिक स्नेह देते हैं।

---

14. 'वापसी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें। पाठ्यपुस्तक

'वापसी' का अर्थ है लौटकर आना। गजाधर बाबू पैंतीस वर्षों तक रेलवे की नौकरी करके अवकाश प्राप्त हुए और अपने घर वापस लौटे। वे परिवार के साथ सुख से रहने की कल्पना करके आए थे, पर उन्हें वहाँ उपेक्षा मिली। अंत में वे फिर नौकरी के लिए घर से बाहर चले गए। इस तरह कहानी में गजाधर बाबू की दो वापसी हैं, एक घर की ओर और दूसरी घर से बाहर नौकरी की ओर। इसलिए 'वापसी' शीर्षक सर्वथा उपयुक्त है।

---

15. उषा प्रियंवदा का जीवन परिचय लिखिए। पाठ्यपुस्तक

उषा प्रियंवदा का जन्म सन् 1930 में कानपुर में हुआ था। वे हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार हैं। उनकी प्रमुख रचनाएँ पचपन खंभे लाल दीवारें और रुकोगी नहीं राधिका हैं। उनकी कहानी वापसी सन् 1960 में प्रकाशित हुई थी और यह उनकी सबसे चर्चित कहानियों में से एक है। उनकी कहानियों में आधुनिक परिवारों में बदलते मानवीय संबंधों, अकेलेपन और पीढ़ी अंतर का गहरा चित्रण मिलता है।

---

16. 'वापसी' कहानी में गजाधर बाबू की चारपाई का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है? अतिरिक्त

गजाधर बाबू की चारपाई कहानी में उनके स्थान और महत्व का प्रतीक है। पहले उनकी चारपाई बैठक में लगाई जाती है, फिर उसे हटाकर छोटी कोठरी में रख दिया जाता है और अंत में उनके जाते ही चारपाई घर से बाहर निकाल दी जाती है। चारपाई का बैठक से कोठरी और फिर घर से बाहर जाना दिखाता है कि परिवार में गजाधर बाबू का स्थान धीरे धीरे खत्म हो गया है।

birlaeducation.org

---

17. 'वापसी' कहानी की भाषा शैली की विशेषताएँ लिखिए। अतिरिक्त

उषा प्रियंवदा की भाषा सरल, सहज और भावपूर्ण है। वे रोज के जीवन की छोटी छोटी घटनाओं से गहरी मानवीय संवेदना उभारती हैं। कहानी में संवाद स्वाभाविक हैं और पात्रों के मन की उलझन को धीरे धीरे खोला गया है। उनकी शैली में मार्मिकता है, जो पाठक को गजाधर बाबू के अकेलेपन और दुख से जोड़ देती है।

---

18. नरेंद्र और बसंती के व्यवहार से गजाधर बाबू को क्या महसूस हुआ? पाठ्यपुस्तक

नरेंद्र के चुप हो जाने, बसंती के हँसी दबाने और बेस्वाद खाना बनाने से गजाधर बाबू को महसूस हुआ कि बच्चे उन्हें भूल चुके हैं और उनका आना सबको कष्ट दे रहा है। नरेंद्र ने खाना नहीं खाया और अपनी खीज उन पर उतारी। बसंती शीला के घर न जाने की मनाही पर उनसे रुष्ट हो गई। इन सब बातों से गजाधर बाबू को लगने लगा कि परिवार में उनकी कोई उपयोगिता नहीं है और वे सिर्फ धन कमाने की मशीन समझे जाते हैं।

---

19. 'वापसी' कहानी आज के समय में क्यों प्रासंगिक है? अतिरिक्त

'वापसी' कहानी सन् 1960 में प्रकाशित हुई थी, पर आज भी प्रासंगिक है। आज भी अनेक परिवारों में रिटायर हुए बूढ़े माता पिता की उपेक्षा होती है। नई पीढ़ी अपने सुख और स्वतंत्रता को महत्व देती है और बड़ों की भावनाओं को नहीं समझती। संयुक्त

परिवार टूट रहे हैं और बूढ़े लोग अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। इसलिए गजाधर बाबू की कहानी आज के समाज का सच्चा चित्र है।

---

20. 'वापसी' कहानी से क्या संदेश मिलता है? पाठ्यपुस्तक

इस कहानी से यह संदेश मिलता है कि आज के परिवारों में स्वार्थ और आत्म केंद्रितता बढ़ गई है। बड़े और बूढ़े लोगों के प्रति उपेक्षा की भावना दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। जो व्यक्ति जीवन भर परिवार के लिए धन कमाता है, रिटायर होने के बाद परिवार में उसकी कोई उपयोगिता नहीं समझी जाती। कहानी हमें यह सिखाती है कि बड़ों का सम्मान करना चाहिए, उनकी भावनाओं को समझना चाहिए और परिवार में सबको स्नेह तथा आदर देना चाहिए।

---

birlaeducation.org